महाविद्यालय का परिचय

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन ने 1958 में प्रगति के गतिशील पथ पर विज्ञान, कला और वाणिज्य संकायों के साथ अपनी यात्रा शुरू की । महाविद्यालय खरगोन जिले में स्थित है, जो आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है । यह राज्य के सबसे बड़े सह-शिक्षा महाविद्यालयों में से एक है । शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन, जिले का अग्रणी महाविद्यालय हैं, एवं NAAC से B++ ग्रेड प्राप्त हैं । महाविद्यालय मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित है और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से संबद्ध है । महाविद्यालय को चार विषयों में एक शोध केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है - अर्थशास्त्र, वाणिज्य, भूगोल एवं हिंदी ।

कार्यक्रम

23 दिसम्बर, शनिवार, 2023

प्रातः : 10:00 - 11:00 पंजीयन एवं स्वल्पाहार
प्रातः : 11:00 - 12:30 प्रथम सत्र (उदघाटन)
दोपहर : 12:30 - 01:30 भोजन
दोपहर : 02:00 - 03:30 द्वितीय सत्र (तकनीकी सत्र)
दोपहर : 03:30 - 05:30 शोध छात्रों हेतु विशेष तकनीकी सत्र

24 दिसम्बर,रविवार 2023

प्रातः : 10:00 - 11:00 स्वल्पाहार
प्रातः : 11:00 - 12:30 तृतीय सत्र (तकनीकी सत्र)
दोपहर : 12:30 - 01:30 भोजन
दोपहर : 02:00 - 03:30 चतुर्थ सत्र (तकनीकी सत्र)
दोपहर : 03:30 समापन

संरक्षक

डॉ. किरण बाला सलूजा
अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, इंदौर संभाग
डॉ. आर. एस. देवड़ा (प्राचार्य)

संयोजक
डॉ. जी.एस.चौहान
विभागाध्यक्ष,अर्थशास्त्र

सह-संयोजक
प्रो. एल. के. भटानिया
विभागाध्यक्ष,भौतिकशास्त्र

आयोजन सचिव
प्रो. जे. एस. जिलानी
सहा. प्राध्यापक वाणिज्य

सह-सचिव
डॉ. सावित्री भगोरे
सहा. प्राध्यापक वाणिज्य

IQAC Coordinator
डॉ. वंदना बर्वे (विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग)

परामर्श समिति

- डॉ. शैल जोशी (विभागाध्यक्ष, जीव विज्ञान)
- डॉ. रविन्द्र बर्वे (प्राचार्य,शास. महा., भगवानपुरा)
- डॉ. एस.डी. पाटीदार (प्राचार्य, शास. महा. झिरनिया)
- डॉ. महेश गुप्ता (सह प्राध्यापक, वाणिज्य)
- डॉ. ललिता बर्गे (सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र)

आयोजन समिति

- डॉ. आर.एस.चौहान (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य)
- डॉ. जियालाल अकोले (सहायक प्राध्यापक ,अर्थशास्त्र)
- डॉ. संतोष दवाड़े (सहायक प्राध्यापक,अर्थशास्त्र)
- डॉ. ओ.एस.मेहता (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य)
- डॉ. आर.एस.जमरे (सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य)
- डॉ. दिनेश चौधरी (सहायक प्राध्यापक,भौतिकशास्त्र)
- पर. संतोष राठौर (सहायक प्राध्यापक,भौतिकशास्त्र)
- प्रो. ऐश्वर्या दिलावरे (सहायक प्राध्यापक,भौतिकशास्त्र)
- प्रो. अमिका बिरले (सहायक प्राध्यापक,भौतिकशास्त्र)
- प्रो.चन्द्रभान त्रिवेदी (सहायक प्राध्यापक, विधि)
- डॉ. दीपक ठाकुर (अतिथि विद्वान, वाणिज्य)
- डॉ. सोनू वर्मा (अतिथि विद्वान, वाणिज्य)
- श्रीमती दुर्गा पाटीदार (अतिथि विद्वान, वाणिज्य)

तकनीकी समिति

श्री शशांक गोले श्रीमती टीना श्रीवास्तव

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

"धारणीय विकास में नवकरणीय उर्जा की आवश्यकता एवं पर्यावरणीय चुनौतियाँ "

दिनांक- 23 एवं 24 दिसम्बर 2023

पंजीयन लिंक-
https://forms.gle/NqtkGTdK1NdzactU7

प्रायोजक

म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग

आयोजक

वाणिज्य, अर्थशास्त्र एवं भौतिकशास्त्र विभाग
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन
(म.प्र.)

डॉ. जी. एस. चौहान –
9669890833/9425981110

संगोष्ठी का विषय-

"धारणीय विकास में नवकरणीय उर्जा की आवश्यकता एवं पर्यावरणीय चुनौतियाँ "

आदरणीय विद्वतजन,

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आपको आमंत्रित करते हुए हम हर्षित हैं।

मानव के उच्च जीवन स्तर के लिए आर्थिक विकास में वृद्धि जरुरी हैं और आर्थिक विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का विदोहन | प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, जिसका योजनाबद्ध उपयोग न किया गया तो, यह एक दिन समाप्त हो जाएंगे | प्राकृतिक संसाधनों की समाप्ति भावी-पीढ़ी के जीवन में खतरनाक स्थिति निर्मित करेगी इसलिए प्राकृतिक संसाधनों की संधारणीयता को बनाए रखना जरूरी हैं | यदि विकास के लिए टिकाऊ विकल्प नहीं चुने गए तो हम अपनी पृथ्वी के पारिस्थितिकीय तंत्र बनाए नहीं रख सकते | आज जरूरत हैं "धारणीय सतत विकास" की जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरत को पूरा करता हैं |

यह संगोष्ठी हमें समावेशी विकास के साथ पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य 2030 को हासिल करने में मददगार साबित होंगी |

संगोष्ठी के उप-विषय

- **आर्थिक संधारणीयता –**
  - गरीबी एवं बेरोजगारी उन्मूलन
  - उद्योग, नवाचार एवं बुनियादी ढाँचा
  - जिम्मेदारी के साथ उपभोग एवं उत्पादन
  - कृषि क्षेत्र का विकास
  - जनसँख्या नियंत्रण एवं प्रबंधन
- **सामाजिक संधारणीयता –**
  - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
  - महिला सशक्तिकरण सतत एवं समावेशी विकास
  - अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर
  - सामाजिक समरसता एवं समावेशी विकास
  - टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास
  - समाज का सतत विकास
- **पर्यावरणीय संधारणीयता –**
  - नवकरणीय उर्जा, सुरक्षित भविष्य की कुंजी
  - जल, मृदा एवं वायु संरक्षण
  - पर्यावरण अनुकूल प्रोद्योगिकी
  - पर्यावरण नैतिकता एवं मूल्य
  - ग्लोबल वार्मिंग एवं हरित गृह प्रभाव
  - संधारणीयता जैव ईधन
- **वर्तमान परिदृश्य में भारत में धारणीय विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति**

पंजीयन शुल्क - 500 रु.

शोधपत्र ई-जर्नल में प्रकाशित किया जायेगा इस हेतु 300/- प्रति शोधपत्र अतरिक्त देय होगा |

मो. न. – 9826885515 ,6260275174, 9826984759, 8224936467, 9754987825

पंजीयन फार्म

नाम-.....

पद-.....

महाविद्यालय/संस्था-.....

मोबाइल न.-..... .....

ई-मेल-.....

शोधपत्र का शीर्षक-.....

श्रेणी- संकाय /कॉर्पोरेट /शोधार्थी / विद्यार्थी.....

डिमाण्ड ड्राफ्ट न./ऑनलाइन पेमेंट ID-.....

राशि-..... दिनांक-.....

❖बैंक ड्राफ्ट/ ऑनलाइन ट्रांजैक्शन स्लिप की स्कैन कॉपी शोध सारांश / शोध पत्र के साथ ई-मेल अवश्य करें।

❖खाता धारक का नाम- **प्राचार्य शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन |**

❖**खाता नं.- 53022455291**

❖**बैंक- भारतीय स्टेट बैंक, शाखा खरगोन**

❖**IFSC Code- SBIN0030027**

शोध पत्र एवं शोध सारांश

❖शोध पत्र एवं शोध सारांश MS Word में अंग्रेजी में Times New Roman, Font Size 12 एवं हिंदी में कृति देव 010, Font Size 14 तथा Line Spacing 1.5 होना चाहिए।

❖शोध पत्र का आकार A4 साइज हो तथा शोध पत्र में लेखक एवं कीवर्ड का उल्लेख अवश्य करें।

❖शोध सारांश अधिकतम 300 शब्दों में तथा शोध पत्र अधिकतम 2000 शब्दों में होना चाहिए।

❖शोध सारांश दिनाम्क 18.12.2023 तथा पूर्ण शोध पत्र 01.01.2024 से 30.01.2024 तक **Mail ID-2401govtpgcollegekhargone@gmail.com** पर मेल किये जा सकते हैं |

नोट :- प्रतिभागियों को यात्रा व्यय देय नही होगा | आवास की व्यवस्था भी स्वयं के व्यय पर करना होगी|